राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 60.00 संख्या 2532
बेलमुंडा का खजाना
सुपर कमाण्डो ध्रुव
नागराज
सर्वनायक वर्ष 2014
फाइटर टोड्स

प्रकाशकः राज कॉमिक्स (राजा पॉकेट बुक्स की एक इकाई) 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-110084 फोनः 27611410 email:bizdev@rajcomics.com

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज, 112, फर्स्ट फ्लोर, दरीबा कलां, दिल्ली-110006. फोनः 23251109, 23251092, 65172310, 32500860

समुंदरी लुटेरे में आपने पढ़ा कि हम्मा-हम्मा आयाम से निकला कैप्टेन कैटरपिल्लर षड्यंत्र रच कर नागराज, ध्रुव और फाईटर टोड्स को पहुंचाता है हम्मा-हम्मा आयाम में, जहां उन्हें मिला बड़बोला तोता बलमा पोपट जिसके साथ हमारे हीरोज निकल पड़े समुंदरी लुटेरे बेलमुंडा का खजाना ढूंढने। दूसरी ओर पृथ्वी पर तीन आतंकवादी हग्गू खान, मुत्तु स्वामी और फ्लश डी सूजा दुनिया को डूबेनियम बम से तबाह करने की साजिश करते हैं जिनसे टकरा गए चारों डूडल्स आंगड़ू, बांगड़ू, सांगड़ू और पांगड़ू। नागराज, ध्रुव और टोड्स एक के बाद एक काली शक्तियों से युक्त सात में से दो टापुओं को पार करते हैं जिन पर उनका सामना होता है खूंखार जंगली आदिवासियों, भभूका दानव, नरभक्षी जलपरियों और खूनी भेड़ियों से। परास्त होने के साथ ही सभी खलनायक टापुओं के साथ ही अदृश्य हो जाते हैं। कैप्टेन बेलमुंडा अपने मुर्दे पाइरेट्स की सेना का आह्वाहन करता है, उधर नागराज, ध्रुव और टोड्स बलमा के साथ पहुंच गए हैं तीसरे टापू पर जो है मुर्दों का टापू। अब आगे-

परिकल्पनाः स्तुति मिश्रा कथा लेखक व कला निर्देशकः नितिन मिश्रा पेंसिलिंग व इंकिंगः स्तुति मिश्रा
इफैक्ट्सः अभिषेक सिंह कैलीग्राफीः सुखवीर, नीरू सम्पादकः मनीष गुप्ता संस्थापकः राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

हजारों साल पहले, समुन्द्र की तूफानी लहरें उस खौफनाक महा-युद्ध की गवाह बनी...
टनाक
खनाक
जोकि महादुर्दांत दस्यु कप्तानों बेलमुंडा और कैटरपिल्लर के बीच लड़ा गया था...
हमारे काटे हुए मानव सिरों की संख्या बराबर है, और हम्मा-हम्मा देव अपनी शक्तियां व...
...खूबसूरत बेटी का हाथ उसे ही देगा जिसके पास दूसरे से ज्यादा मानव सिर होंगे।
तेरा सिर काटने के बाद मेरे मानव सिरों की संख्या बढ़ जाएगी।
हाहाहा..संभल जा कैटर पिल्लर, अब समुन्द्र देव के त्रिशूल से कटेगा तेरा सर।
यह त्रिशूल तेरे पास कहां से आया? धोखा किया गया है मेरे साथ...
ये धोखा तुझे और हम्मा-हम्मा को बहुत महंगा पड़ेगा।
इस युद्ध का परिणाम बेहद घातक सिद्ध होने वाला था। सिर्फ उनके लिए ही नहीं जिन्होंने सदियों पहले यह युद्ध लड़ा था...

अपितु उनके लिए भी जो सदियों बाद उस युद्ध के दुष्परिणाम से दुनिया को बचाने की कोशिश कर रहे थे।
टोड्स एक्शन!
मुर्दों से लड़ने में एक फायदा तो है, कम से कम ये चिंता नहीं करनी पड़ती कि हमारे वार उनकी जान ना ले लें।
और नुक्सान ये है कि डबल सावधान रहना पड़ता है कि कहीं ये मुर्दे हमारी जान ना ले लें।
हमारी जान कोई आइटम गर्ल राखी बकावंत की पप्पी नहीं है जो हर ऐरा-गैरा ले लेगा।

आईऽऽऽऽ... मेरी पुक्की पर किसने काटा!
इनको डिसेम्बल करना खतरनाक है यारों।
नागराज जी को ही सिचुएशन आसान दिख रही थी, अब ये ही बताएंगे कि इससे कैसे निकलें।
हाय!! मेरी पुक्की पर अपने दांतों का टैटू बना रहे इस मुए का कुछ करो नागराज जी।
इनको जला कर कोयला बना दो बस, जौम्बी पाइरेट्स की मुसीबत खत्म।
बूम
बूडूम
नागराज जी ने आंखों से आग छोड़ी! फिर एक नई पावर! आगे पता नहीं कहां से क्या छोड़ेंगे!
यह मेरी स्थाई शक्ति नहीं है, शायद इस आयाम ने मेरी शक्तियों को कुछ परिष्कृत कर दिया है।
तुम लोग भी बिना बात के ही हत्थे से उखड़ जाते हो।
ये तो राख से भी दोबारा अपना शरीर बना रहे हैं।
ऐसे तो इन्हें खत्म करना नामुमकिन हो जाएगा।
इनके सड़ेले शरीरों में काले जादू की शक्ति ऐसेइच समायी है जैसे मुर्दे में पिल्लू।
तुम इनका शरीर नष्ट करोगे तो ये शक्ति बाहर निकलेगी पण फिर इनके टूटेले-फूटेले शरीर में घुस के इनको जिंदा कर देगी।
हम सब पर ये जौम्बी पाइरेट्स हमला कर रहे हैं पर तेरी ओर ये देख भी नहीं रहे ऐसा क्यों।
अपुन को शक वाली नजरों से मत देख बाप! अपुन इन मुर्दों से कोई सेटिंग नहीं भिड़ाएला है।
नागराज, जौम्बीज पर उड़ कर वार करो!
धाड़

ये हमारे पदचापों के कंपन से हम पर हमला करते हैं, बलमा पर ये हमला नहीं कर रहे क्योंकि वो हवा में उड़ रहा है।
मैं और कम्प्यूटर हवा में उड़ते हुए इन्हें आसानी से तोड़ सकते हैं, पर इनके टूटे शरीर धरती पर गिरते ही काले जादू की शक्ति इन्हें पुनःजीवित कर देगी।
अगर इनका संपर्क धरती से ना होने दिया जाए तो शायद ये दोबारा जीवित ना हों।
पर हम ऐसा करेंगे कैसे नागराज जी? इस टापू पर कोई पेड़ भी तो नहीं है जिस पर इन भूतों को उल्टा टांग दें।
यही तो प्रॉब्लम है कम्पयूटर, इस टापू के अलावा सिर्फ ये समुन्द्र है और कुछ भी नहीं।
फिर तो ध्रुवजी को नया आइडिया आने तक फाईट कंटिन्यु करनी पड़ेगी। हीहीही।
जल्दी कोई आइडिया भिड़ाओ ध्रुव जी, हम भोले-भालों के पैरों से धरती बस खिसकने ही वाली है। बुहुहुहू! टर्ररर्र!!
यू आर जीनियस कटर!!! पानी में ही जाना होगा, तुम्हें और शूटर को।
हेंहेंहें! आप तो बुरा मान गए ध्रुवजी।
अबे उल्लुओं के आइन्स्टाइन, ध्रुवजी इनसे निपटने का तरीका बता रहे हैं, चल पानी में।
ध्रुव के आइडिया पर फौरन एक्शन शुरू हुआ।
मैं और मास्टर इन जौम्बीज को नागराज और कम्प्यूटर की ओर थ्रो करेंगे।
नागराज व कम्प्यूटर हवा में ही इन्हें तंदूरी जौम्बी बना कर समुन्द्र में शूटर और कटर की ओर डाइरेक्ट करेंगे।
शूटर और कटर इन्हें समुन्द्र में डुबो देंगे ताकि काली शक्ति इनमें समा न पाए।

राज कॉमिक्स
नतीजा थोड़ी ही देर में समुन्द्र में जौम्बी पाइरेट्स के ढेर के रूप में सामने आया।
क्या बात है भीड़ू लोग, अक्खा जौम्बी पाइरेट सेना का 'गो-गोवा-गौन' कर डाला। हीहीही।
पर आपको कैसे पता चला ध्रुवजी कि ये पानी में डुबोने से मरेंगे ?
धरती पर इन्हें खत्म करना इम्पॉसिबल था क्योंकि काली शक्ति पुनः जौम्बी पाइरेट्स के शरीर में प्रवेश कर जाती लेकिन, पानी में ये किरणें उन्हें जीवित नहीं करतीं...
क्योंकि काले जादू की शक्ति टापू की धरती में है समुन्द्र के पानी में नहीं...
...ये मुझे तब पता चला जब मैंने समुन्द्र में तैरते कुछ जौम्बीज के निर्जीव शरीर देखे।
8
बेलमुंडा का खजाना
पिछले दोनों टापुओं की तरह ये टापू भी समुन्द्र में डूब गया।
काले जादू की शक्तियां हारते ही लोप हो जाती हैं, तुम भीड़ू लोग अपने चौथे..अपुन का मतलब चौथे टापू के लिए तैयार हो जाओ।
तीनों महाशक्तियों ने तीसरा टापू भी पार कर लिया।
हमें जल्दी ही कुछ करना होगा सरदार।
घिसा-पिटा सरदार वाला 'स्पूफ' बार-बार छोड़ना बंद कर और...
...सेना की एक टुकड़ी लेकर चौथे टापू की ओर कूच करो यदि ये चौथे टापू से जीवित निकल सके तो तू इन्हें खत्म कर देना। वैसे मुझे इसमें शक है कि ये धुंध-भुलैया टापू से जीवित बाहर निकलेंगे।
9
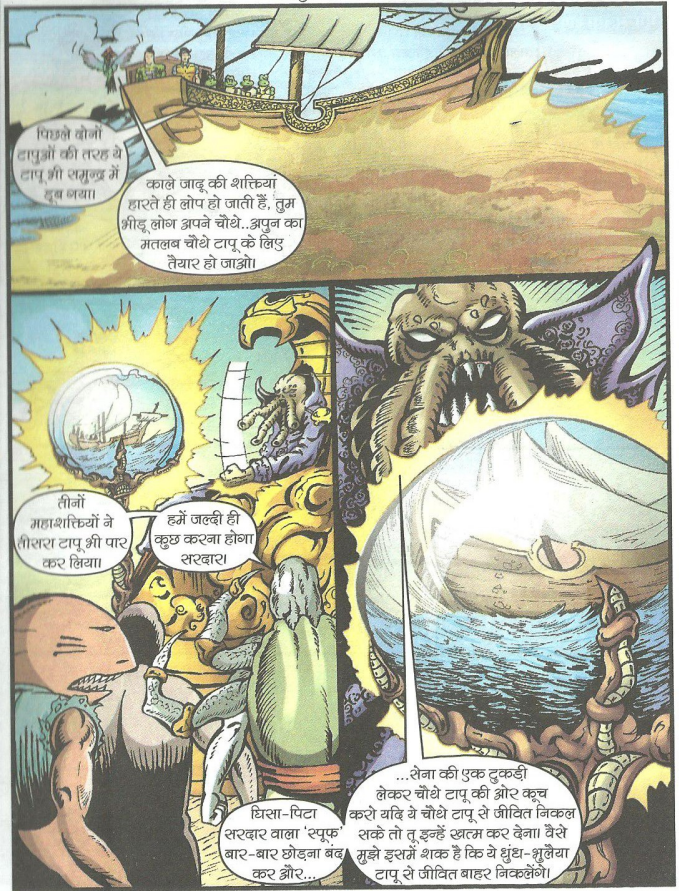
धुंध-भुलैया टापू।
आज तक इस टापू की भूल-भुलैया में घुसने वाला कोई भी भीड़ू जिंदा क्या भूत बन कर भी बाहर नहीं निकलेला है।
दुनिया बचाने का ठेका तुम भीड़ू लोग लिएला है अपुन नहीं, अपुन इधरिच तुम लोग का वेट करेगा।
यहां तो इतनी धुंध है कि सामने टापू दिखाई ही नहीं दे रहा।
पर हमें आगे तो बढ़ना ही होगा टोड्स...
बस ध्यान रखना कि इस धुंध में हम कहीं अलग-अलग ना हो जाएं...
ओह! ध्रुव और टोड्स कहां गए।
हम सबको अलग-अलग कर के धुंध-भुलैया ने अपना काम करना शुरू कर दिया।
ध्रुव जी, नागराज जी, यारों...कहां हो तुम सब?
अबे! छुप्पन-छुपाई शुरू हो गई क्या बे?
सब कहां गए? यार...ये धुंध जाला क्यों बना रही है?
बुहहु! ये सब क्या हो रहा है?
यह धुंध विभिन्न प्रकार के सर्प रूप धर कर मुझ पर हमला कर रही है।
बाहर आओ मेरे सर्प वीरों...!!
ओह! धुंध सर्पों के शिकंजे में फंस कर मेरे सर्प सैनिक धुंध में ही विलीन हो गए।
हे देव कालजयी!! यह क्या है...धुंध का बना एनाकोंडा!

यह तो किसी पजल मेज़ गेम का बड़ा और विकृत संस्करण है। जब तक मैं स्थिर हूं, ये धुंध की मेज़ भी स्थिर है...
...मेरे आगे बढ़ते ही ये भी अपना स्थान बदलने लगती है और मुझे वापस यहीं ले आती है।
फिर मैं अपने पिछले स्थान पर पहुंच गया...ऐसे में तो आगे बढ़ने का कोई उपाए नहीं दिख रहा।
कुछ समझ नहीं आ रहा, आखिर इस धुंध की भूल-भुलैया से निकला कैसे जाए.. अरे !! ये धुंध रुपी मशीन और इसकी धारदार गरारीयां तो चलने लगीं।
बड़ी-बड़ी मशीनें बना लीं कम्प्यूटर बेटे.. लगता है आज ये मशीन ही तुझे मिटाएगी। बुहहू!
मास्टर्र का सामना हो रहा था धुंध के बने निंजा फाइटर्स से।
टर्रर्रर...मेरे वार तो धुंध के बने इन फाइटर्स के आर-पार निकल जा रहे हैं...
...पर इनके वार मुझ पर बिल्कुल सटीक लग रहे हैं। टर्रर्रर!
पर बेचारे कटर्र को तो दुश्मन दूर-दूर तक नजर ही नहीं आ रहा था।
अबे इतनी जल्दी जाले तो हमारे टोड निवास में भी नहीं लगते, ये कौन सी च्यवनप्राश खाई मकड़ी है जो जेट स्पीड से धुंध जाले निकाल रही है। बुहूहूहू! टर्रर्रर!!
मेरे आगे बढ़ने के साथ ही धुंध जाल की संख्या भी बढ़ रही है...अबे! इतनी तलवार भांज कर तो कटर्र पूरी सेना को गंजा कर देता। ये धुंध जाल गंजे...मतलब खत्म क्यों नहीं हो रहे!!
और शूटर्र की तो जहां तक नजर जा रही थी 'दुश्मन हथियार' नजर आ रहे थे।
टोड देव के आशीर्वाद से मेरे तरकश के तीर कभी खत्म नहीं होते।
लेकिन इन कमबख्त धुंध क्यारियों को किसने आशीर्वाद दिया है...
इनके हथियार भी खत्म नहीं हो रहे, उल्टा इनका हमला और तेज होता जा रहा है।
ज़ूम
ज़ूम

धुंध-भुलैया टापू पर हर महारथी एक अलग धुंध-भुलैया में फंसा हुआ था, जिससे निकलने का किसी भी महारथी को फिलहाल कोई रास्ता सुझाई नहीं दे रहा था, लेकिन पृथ्वी के आयाम में डूडल्स को अपनी मुसीबतों से निकलने का उपाय मिल गया था।
कैटरपिल्लर और आतंकवादी तो कुंभ में बिछड़े भाइयों की तरह मिलने लगे।
अबे! तो ठीक ही है ना, अगर वो शैतान का दूत कैटरपिल्लर अब तक उन तीनों आतंकवादियों से गप नहीं लड़ा रहा होता तो हमें निकल भागने का मौका मिलता क्या।
लेकिन आज हमने ये साबित कर दिया कि हम डूडल्स कितने महान हैं, हम चोरी-छुपे ना सिर्फ खुद उस जहाज से भागे बल्कि ये डूबेनियम बम भी अपने साथ ले आए।
हां! और जहाज में सी-फूड की जो पन्नियां थीं उसमें मैंने इस बम को सील-पैक भी कर दिया है, क्योंकि अगर ये समुन्द्र में डूबा तो प्रलय आ जाएगी।
अबे! लेकिन ये समुन्द्र में डूबेगा कैसे?
व...वो मैंने इस नाव को उतारते समय इसके तले में एक छेद देखा था।
क्या!!
अबे! पहले क्यों नहीं बताया कमबख्त?
उस समय जहाज से भागना ज्यादा जरूरी था, मैंने छेद के ऊपर बांगड़ू को बैठा दिया था।
ओह!! तो इसलिए मेरी पतलून गीली है, मैं तो बेकार में ही शर्मिंदा हो रहा था। हीहीही। बूहूहू!
पतलूनें तो अब हम चारों की सही में गीली होने वाली हैं यारों, जरा पीछे देखो!
वई-वई...तुम चारों चुल्ली का पट्ठा क्या सोची...कि हमारा बम लेके फुर्र हो जाएगी।
कैटरपिल्लर अन्ना, यही है वो डूबेनियम बम जो सारी दुनिया को समुन्द्र में ऐसे ही डुबो देगा जैसे साम्भर में वडा!
मेरा है...अब ये डूबेनियम बम मेरा है।
इतनी भी जल्दी क्या है, पहले हम पूरा माजरा तो समझ लें कैप्टन कैटरपिल्लर! हम तो सोच रहे थे कि तू हम्मा-हम्मा आयाम में कैद है।
देवयोद्धा... तू..!!!
अब समझ में आ रहा है कि हम्मा-हम्मा का आयाम द्वार कैसे खुला, तू जरूर आयाम द्वार बंद होने से पहले ही किसी तरह पृथ्वी पर आ गया होगा!!
सही समझा तू, मैं आयाम द्वार बंद होने से पहले ही पृथ्वी पर आ गया था जहां मैं सदियों तक छुप कर इस समय की प्रतीक्षा करता रहा।
जैसे ही मेरा सामना टोड मानवों से हुआ मैं समझ गया कि मेरा प्रतिशोध पूरा होने का समय आ गया है।
यकीनन तूने ही नागराज, ध्रुव और फाईटर टोड्स को हम्मा-हम्मा आयाम में भेजा है पर तू नहीं जानता कि ऐसा करके तूने अपने और काले जादू की शक्तियों के विनाश पर मुहर लगा ली है।

तुम देव योद्धाओं से भी तो मुझे सदियों पुराना हिसाब बराबर करना है...
यदि तुम लोग बीच में ना आते तो बेलमुंडा और समुन्द्र देव को मार कर मैं दुनिया पर राज कर रहा होता।
और प्रिंसेस टाइड मेरी होती। पर जो तब नहीं हुआ वो अब होगा।
ना तू तब हमसे जीत पाया था ना अब जीतेगा। तेरी भलाई इसी में है कि तू हार मान ले और आत्मसमर्पण कर दे।
आत्मसमर्पण..हाहाहा..कुछ ही देर में पूरी पृथ्वी कैटरपिल्लर के कदमों में आत्मसमर्पण करेगी देव योद्धा।
अबे! ये क्या हो रहा है बे...!! सब लोग आपस में ही पिले पड़े हैं हम क्या करें?
हम लोग डूबेनियम लेकर फूट लेते हैं!! अबे! डूबेनियम कहां गया?
लगता है फाईट देखने के चक्कर में बम समुन्द्र में गिर गया।
वो तो मैंने उसको इतना सील पैक किया था इस लिए अब तक फटा नहीं वरना...
छपाक
अबे! जो फटना था वो हम चारों का फट चुका है...
...अब फटा-फट समुन्द्र में कूदो और डूबेनियम की सील फटने से पहले उसे पानी से बाहर निकालो, वरना अगर डूबेनियम फट गया तो दुनिया में फटने के लिए भी कुछ नहीं बचेगा।
जल-सर्प दैत्य की तरह ये धुंध ऐनाकोंडा भी काले जादू की शक्ति से बना है, इसीलिए इच्छाधारी कणों में खुद को बदल पाने की कोशिश करना व्यर्थ है। ऊपर से यह छोटे वाले धुंध सर्प भी मुझ पर प्रहार कर रहे हैं, लेकिन मेरी नागशक्तियां ना इस ऐनाकोंडा को कोई नुक्सान पहुंचा पा रही हैं और ना ही अन्य धुंध सर्पों को।
शक्क-शक्क!
पहले धुंध नागफनी सर्प और अब धुंध ध्वंसक सर्प।
ओह! अब समझा, इस भूल-भुलैया ने मेरी ही नाग शक्तियों का प्रतिरूप बनाया है।
मेरे सर्प इनका मुकाबला नहीं कर पा रहे, लेकिन ये खुद तो एक-दूसरे का मुकाबला कर सकते हैं।
इस भूल-भुलैया ने यही गलती कर दी, काली शक्ति से निर्मित ही सही पर ये हैं तो नाग ही, और दुनिया का हर नाग नागराज का आदेश मानने के लिए बाध्य है।

शक शक्क
ये धुंध नागफनी बाकी धुंध सर्पों को काटेंगे..ऐसे।
और इस धुंध एनाकोंडा का पेट अपने धुंध बारूद से भरेंगे ये धुंध ध्वंसक सर्प।
बूम
बूम
धुंध एनाकोंडा को खत्म कर नागराज ने तो धुंध-भुलैया पार कर ली पर ध्रुव अब भी वहीं अटका हुआ था जहां वो पहले था।
ये कमबख्त मेज़ मेरे आगे बढ़ते ही अपनी जगह से खिसकने लगती है।
इस बार मुझे अगली मेज़ पर कूदने के बजाये खाई में कूदना होगा।
और जैसे ही पहली मेज आगे खिसकेगी...
..मुझे अपने शरीर को हवा में इस कोण पर घुमाना होगा, कि स्टारलाइन आगे बढ़ती पहली मेज़ से लिपट जाए।
मैंने ध्यान दिया है कि मुझे पहले वाली जगह पर पहुंचा कर ये पजल मेज़ आगे बढ़ जाती है...
...अब मुझे हर बार खाई में कूदना पड़ेगा और इस मेज़ के आगे बढ़ते ही इस पर स्टार लाइन फंसा कर आगे बढ़ना होगा...
...और जब ये मेज़ मुझे फिर पिछले स्थान पर पहुंचाने कि कोशिश करेगी मुझे इसी प्रक्रिया को दोहराते हुए...
...आगे बढ़ कर उस प्रकाश द्वार तक पहुंचना होगा जहां ये पहली मेज़ जा रही है।
...और जो शर्तिया इस पजल का एंड पौइन्ट होगा।

हर मशीन की तरह ये धुंध मशीन भी लीवर्स, गेयर, और पुल्ली की सहायता से ही काम कर रही है।
यदि इसे रोकना है तो इस पर एक्स्टर्नल फ्रिक्शन लगाना होगा।
और इन पर फ्रिक्शन लगाने के लिए मेरी जेब में बिल्कुल उपयुक्त औजार है मेरा नया आविष्कार 'चटर्र बग्स'।
वैसे तो मैंने इनका आविष्कार अपराधियों की मुश्कें जकड़ने के लिए किया था।
लेकिन अभी ये इस धुंध मशीन की मुश्कें जकड़ने में काम आएंगे।
जैसे ही मैं इनके पावर बटन ऑन कर के इन्हें इन गरारियों की ओर फेंकूंगा, ये गरारियों के बीच फंस कर उन्हें जाम कर देंगे।
बज्ज!
घड़
गरारियों का दबाव चटर्र बग्स पर पड़ते ही बग्स का डिस्चार्ज चेम्बर खुल जाएगा और गटर की गंदगी में गाढ़ा तारकोल मिला कर बनाया गया तरल गोंद 'चिपकू' इन चेम्बर्स से निकल कर गरारियों को सराबोर कर देगा जिससे ये मशीन पूरी तरह जाम हो जाएगी। टर्रर्रर्र!
चिपकू ने धुंध मशीन की ठुसकी निकाल दी।
धुंध मशीन ध्वस्त हो रही है और इससे बाहर निकलने का रास्ता भी दिखाई दे रहा है, मुझे इसके गिरते हुए कल-पुर्जों से बचते हुए ऊपर की ओर बढ़ना होगा।
पोल-वॉल्ट और नान-चाक के वार से ये धुंध लड़ाके गायब तो होते हैं पर फिर से वापस आ जाते हैं...
लेकिन अगर इनके हथियार से इन पर वार होता है तो ये हमेशा के लिए गायब हो जाते हैं।
यानी अब मुझे इनसे इस तरह लड़ना होगा कि...
...मुझ पर किए गए इनके वार आपस में ही एक-दूसरे को लगें। ऐसे इनकी पूरी फौज खुद ही खुद को खत्म कर देगी।
...और मेरे आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो जाएगा। मास्टर्र की अपने प्यारे-प्यारे दोस्तों को मुफ्त सलाह...
...हर सुबह दो चम्मच शहद के साथ भीगे हुए चार मच्छर खाएं और चुस्ती, स्फूर्ति, तंदरुस्ती के साथ मास्टर्र जैसा तेज दिमाग पाएं। टेन टेन टेनेन।

हम्फ! ये धुंध जाल कोई कुकुरमुत्ते तो हैं नहीं जो अपने आप ही पैदा हो जाएं, इन्हें जरूर कोई बुन रहा है...
और इन जालों को बुनने वाली धुंध मकड़ी मुझे नजर आ गई। यदि इन जालों को खत्म करना है तो उस धुंध मकड़ी को खत्म करना होगा।
ओह! लड़की हो या मकड़ी मुझे अपनी ओर बढ़ता देख कर बिदक क्यों जाती हैं?
ये तो तेजाब जैसी कोई चीज उगल रही है, अगर सही समय पर नहीं हटता तो मैं भी इस जाल की तरह गल के बह रहा होता।
मैंने इसके पास जाने की कोशिश भी की तो इसके जाल में उलझ जाऊंगा और ये मेरा टोड सूप बना कर पी जाएगी।
लेकिन बिना इसके पास जाए इसे खत्म कैसे करूं!
जल्दी सोच कटर्र जीनियस, कहीं इस मकड़ी के हाथों मारा गया तो मम्मी बहुत मार लगाएंगी। तेरी ही तलवार से तेरी ही पुक्की पर।
सार्र सर्र सर्र!
मम्मी की पिटाई याद आते ही इस मुसीबत से निपटने का आइडिया आ गया।
ये है टोड्स की फेवरेट चुइंगम 'चबालू गम-गम' एक बार इसे मुंह में डाला तो कई घंटो सारे दांत इससे कुश्ती लड़ते रहते हैं।
यह अपने मुंह से ही ये गलाने वाला पदार्थ फेंक रही है, और अपनी लार से जाल बुन रही है।
चबालू गम-गम का पूरा स्टॉक मैंने इसके मुंह में फेंक दिया है।
चबर चबर!
हीहीही! अब इसके मुंह से कुछ भी नहीं निकलने वाला।
और मैं मौके का फायदा उठा कर इससे लंगड़ी टांग खेलूंगा।

जैसे ही यह जाल के टूटने से नीचे गिरेगी कटर्र की तलवार इसका हैपी बर्डे कर देगी।
मकड़ी के मरते ही जालों की भूल-भुलैया गायब हो रही है और सामने रास्ता दिखाई दे रहा है।
हीहीही यहां से निकल क इस चबालू गम-ग का बिजनेस करूंग बीवियों की बक-ब से परेशान पतियों खूब हिट होगी ये। टर्रर्रर।
मुझे तो कम्प्यूटर्र का सुनाया हुआ वो चुटकुला याद आ गया, 'इधर परदे से हम झाकें, उधर परदे से तुम झांको'
यहां भी वही हाल है, 'इधर हथियार हम दागें, उधर हथियार तुम दागो' ...टर्रर्रर...!!
अबे! महाभारत में कर्ण और अर्जुन ने भी इतने बाण नहीं चलाए होंगे जितने मैं अभी तक चला चुका हूं।
जैसे ही कदम आगे बढ़ाता हूं ये धुंध क्यारियां हथियार दागने लगती हैं।
अबे! यह तो रामायण महाभारत का लाइव टेलीकास्ट हो गया। धुंध बाणों से मेरे बाण टकराते ही दोनों गायब हो गए।
दिल तो कह रहा है कि, 'जला के राख कर दूं धुंध क्यारियों को, ना हम हथियार दागें, ना तुम हथियार दागो' टर्रर्रर!
अबे! ये मैं क्या बोल गया, मैंने तो इस भूल-भुलैया से निकलने का तरीका ढूंढ निकला। हीहीही।
मैं बेकार ही अब तक इन धुंध हथियारों से लड़ाई-लड़ाई खेल रहा था, मुझे तो पहले ही इन धुंध क्यारियों को अपने अग्नि बाणों का निशाना बनाना चाहिए था...
...जोकि इन हथियारों को मुझ पर दाग रही हैं।
कम्प्यूटर्र की संगत में रहते-रहते इतनी अक्ल तो मुझमें भी आ गई है कि आग की गर्मी धुंध की दुश्मन होती है।
क्यारियों के खत्म होते ही आगे बढ़ने का रास्ता बिल्कुल सर्फ से धुले स्कूल ड्रेस जैसा साफ हो गया। हीहीही।
इधर बलमा पोपट खुशी से उछल पड़ा।
धुंध-भुलैया टापू की जादुई धुंध छंट रेली है, इसका तो एकीच मतलब है यारों मेरे प्यारे भीडुओं...

...यारां दी टोली ने फट्टे चक दिए बाप!
हम सबने एक साथ ही अपनी अपनी भूल-भुलैया से निकलने का रास्ता ढूंढ निकाला।
मेरी भूल-भुलैया तो सुपर डेंजर थी, इतनी खतरनाक थी कि क्या बताऊं कितनी खतरनाक थी।
अगर तेरी भूल-भुलैया मेरी वाली भूल-भुलैया को देख लेती तो डर के मारे अपना नाम भी भूल जाती।
और अगर तुम दोनों की भूल-भुलैया मेरी वाली को देख लेती तो वहीं हार्ट अटैक से मर जाती।
शांत टोड्स, हर भूल-भुलैया उसमें प्रवेश करने वाले की शक्तियों पर ही आधारित थी, तुम चारों ने अपनी-अपनी भूल-भुलैया सिर्फ अपने दिमाग और अपनी शक्तियों के बल पर तोड़ कर यह साबित कर दिया है कि तुम चारों किसी से कम नहीं।
चेंचड़ा पाइरेट्स की सेना के साथ वहां पहुंच चुका था।
अबे! इन लोगों ने तो धुंध-भुलैया टापू की भूल-भुलैया को भी तोड़ दिया, लेकिन अब ये यहां से आगे नहीं बढ़ पाएंगे।
अब यहां से आगे की यात्रा शुरू। हीहीही।
यहां से आगे तुम्हें सीधे नर्क की यात्रा करनी है पृथ्वी-वासियों।
आक्रमण करो पट्ठों!!
टार्र-टार्र...ये तो कैप्टन बेलमुंडा के साथी हैं। अपुन तो अपनी दुम शिप के किसी कोने में छुपाने जा रेला है, तुम लोग मार-धाड़ करो।
टोड्स एक्शन!
ही ही ही। मैं तो कब से इंतजार कर रहा था कि कब पाइरेट्स से लड़ने को मिलेगा। सबकी दुम में धागा बांध दूंगा। टर्रर्र!!
अबे यह मेरी दुम नहीं, मेरी सूंड है।
क्या कह रहा है बे... इस चीज से तू खाता है क्या?
हां, मेरी सूंड का प्रचंड वायु वेग मेरे दुश्मन को खींच कर...
...उसकी हड्डियों का चूरमा बना कर, उसे मेरे पेट में पहुंचा देता है।
बाप रे! ऐसी खतरनाक चीज को...
...काटना ही पड़ेगा!!
खचाक
ईयाई...!!

उछल-कूद बंद कर मेंढक, मुझे अपनी गर्दन काट लेने दे।
कटट कटट कटट कट्!
मास्टर्र की गर्दन काट सके, ऐसी धार दुनिया के किसी हथियार में नहीं है, समझा लल्लू।
एक बार केकड़ू के हाथ किसी की गर्दन काटने को उठ गए तो काट कर ही रुकते हैं।
मास्टर्र की गर्दन काटने को उठे हुए हाथ...
...उखाड़ फेंकता है मास्टर्र।
कड़ाक!
आईऽऽऽऽ!
अबे जा! तेरे जैसी जाली जेलियों को कचरे की थैलियों में भर कर गटर में बहा देता है कम्प्यूटर्र।
जैली-थैली नाम है मेरा, मेरी विषैली जैली पल भर में तुझे पंगु बना कर तेरा दम निकाल देगी, तड़पने का भी मौका नहीं मिलेगा तुझे।
मेरे बूस्टर रॉकेट्स की तेज आग तेरी जहर जैली को धुंआ बना कर उड़ा देगी।
हायऽऽऽ... जल गया जैली-थैली!!
भक्क!
नाम है मेरा भोंट, अपने दुश्मन का दम देता हूं घोंट।
साले जितनी बदबू तू छोड़ रहा है उससे तो वैसे ही मेरा दम घुट जायेगा, दूर हट पहले।
इनको तो मैं तिनके की तरह लपक कर पकड़ लूंगा।
यही तो मैं चाहता हूं भोंट महाशय कि तुम इन बाणों को पकड़ो नहीं तो फटेंगे...
क्या?
बूम भडाम
अबे! बाण और क्या! ये 'फटू बाण' हैं, जैसे ही दुश्मन से टकराते हैं, फट जाते हैं।
चेंचड़ा का एक भी दुश्मन आज तक मरने से पहले चूं भी नहीं कर सका है।
धाड़
धाड़
तू खुद को बेकार ही क्रेडिट दिए जा रहा है यार, आज तक ढंग के दुश्मनों से तेरा पाला ही नहीं पड़ा।
कोई बात नहीं प्यारे, अब हमसे पाला पड़ गया ना, अब तेरी चूं और चां सब हम निकाल देंगे।
यार नागराज! यह तो फाउल है, यह अपना रूप बदल रहा है। जरा तुम भी अपनी पावर-शावर दिखाओ!
हुण लो बाशाओ!!
हाल कैसा है जनाब का!
क्यों चेंचड़ा जी...किसकी चूं निकली अब? हाहाहा।
म... मुझे अपनी मरी हुई नानी बहुत याद आ रही है। बुहूहूहू!

अपने-अपने कच्छे उठा कर भाग लो पठ्ठों...
...हम बिना कैप्टन के इनसे नहीं जीत सकते।
पकड़ो बे! भागने मत दो टिड्डों को।
टोड्स! भागने दो इन्हें।
नागराज ठीक कह रहा है टोड्स, इन्हें अपनी नाकामयाबी की दास्तां जा कर अपने कप्तान को सुनाने दो। मेरे पास एक आइडिया है, सुनो।
हीहीही। सुनाओ जी सुनाओ!
जहाज पूरी रफ्तार से चलाओ बे, बुलबुला-फौवारा तुम दोनों समुन्द्र पर नजर रखो। कहीं वो कमबख्त हमारे पीछे ना आ जाएं।
(मैं जहाज पर कोई सुरक्षित चूहे का बिल खोजता हूं छुपने को। बुहूहू।)
निगरानी करते दोनों पाइरेट्स को आभास भी नहीं था कि मुसीबत बिना आवाज दबे पांव आकर उनके सर पर पड़ने वाली है।
विस्स्स।
यह खम्भा सीटी क्यों बजा रहा है?
शायद ये चाहता है कि हम इसे गीला करें। ही ही ही।
हां यार, उन पृथ्वीवासियों से पिट कर 'लगी' तो मुझे भी बहुत जोर की है।
अबे! तो देर किस बात की, चल सारी खुन्नस खम्भे पर निकालते हैं। ही ही ही।
खम्भे पर धार मारने में अलग ही मजा है।
धून धाम
ढिशुम धड़ाक!
ही ही ही। ध्रुव जी का आइडिया तो बहुत जबरदस्त है, अब हम इन पाइरेट्स के बीच में...
...इनके ही भेस में छुप कर इनके अड्डे तक पहुंच जाएंगे।
इधर हम इनके अड्डे को तबाह करेंगे उधर नागराज जी...
...ध्रुव जी और अपने दोनों याडी पहुंचेंगे।
पांचवे टापू पर।
भीड़ू लोग! ये है दिलफेंक दलदल का टापू।
हीहीही। यह कैसा नाम है?
भीड़! इस अक्खे टापू पर सिर्फ दलदल इच रायते के माफिक फैलेली है...
...जोकि टापू पर आने वाले किसी भी पंटर को अपने भीतर खींच लेती है, इसी वास्ते इसको दिलफेंक दलदल बोलते हैं!
इस टापू को पार करने का एकीच तरीका है कि इस दिलफेंक दलदल को नागराज भीड़ू के मसल्स के माफिक सौलिड बना दिया जाए।
यानी दलदली जमीन पथरीली हो जाए, पर यह कैसे होगा?
रुलैया के आंसू ढूंढ कर।
ये रुलैया कौन है? और हम उसके आंसू क्यों ढूंढें?
ये बहुत पुरानी बात है भीड़...
कितनी पुरानी बात, एक हफ्ते पुरानी?
नहीं भीड़, जब तुम्हारे पुरखों ने अंडे भी नहीं दिए होंगे उतनी पुरानी।
जबान संभाल कर बात कर तोते वर्ना तेरी आने वाली पुश्तों में कोई अंडा देने लायक नहीं बचेगा।
हाएं हाएं!
मास्टर। छोड़ दो उसे। बलमा, बकवास कम करो।
बहुत पुरानी, बात है। रुलैला नामक जलपरी और इस द्वीप का शहजादा दिलफेंक एक-दूसरे से लैला-मजनू स्टाइल में प्यार करते थे।
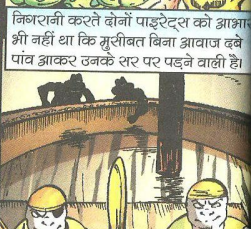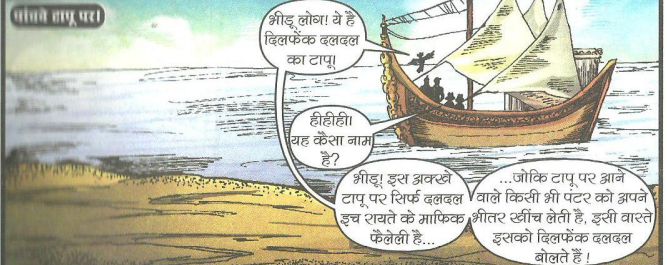
शहजादा दिलफेंक समुन्द्र देव के अत्याचारों के खिलाफ उससे जंग छेड़ रेला था।
"कहते हैं शहजादा दिलफेंक के गम में रुलैला इतना रोई कि अक्खा समुन्द्र का पानी उसके आंसुओं से खारा हो गया।"
बहुत ही दुःख भरी कहानी है यारा...
रोमियो-जूलिएट, लैला-मजनू, भेड़िया-जेन जैसा ही अमर प्रेम था रुलैला और दिलफेंक का।
जब तक यह आंसू मेरे सरताज के दिल तक नहीं पहुंचेंगे, मेरे मरने के बाद भी इनका गिरना यूं ही जारी रहेगा। यह मेरा शाप है।
पर बेचारा हम्मा-हम्मा के सामने ना टिक सका और दुनिया से कट लिया।
"रुलैला भी इसी टापू के किनारे रोते-रोते ऑफ हो ली, तब से उसे रुलैया के नाम से जाना जाता है।"
अपने इमोशन के लूज मोशन को धैर्य का चूरन चटाओ भीड़ू लोग, कहानी में ट्विस्ट अभी बाकी है।
नौबत ऐसी आ गयेली कि उसके आंसुओं से अक्खे समुन्द्र में सुनामी आ जाती। तब समुन्द्र देव ने रुलैया के शाप को इस टापू पर ही सीमित कर दिया। मरी हुई रुलैला की आंखों से आंसुओं की बौछार होती रही...
रुलैया तो मर गई पण उसकी आंखों से आंसू नॉन स्टॉप गिरते ही जा रेले थे।
...और ये अक्खा टापू दलदल बन गया जिसमें रुलैया की लाश डूब गई।
पर सवाल अब भी वहीं है कि रुलैया के आंसुओं को हम रोकेंगे कैसे?
बाप अगर इतना भेजा अपुन की खोपडी में होता तो अपुन का नाम 'सुपर कमांडो बलमा' होता।
आइडिया तो तेरे को इच भिड़ाना पड़ेगा भीड़ू।
ओह! दलदल तो हम पर वार कर रही है।
इस दलदल से बचना भीड़ू लोग, ये हवा में उड़ते परिंदों को भी ऐसे पकड़ कर अपने अंदर खींच सकती है जैसे मेंढक जीभ से कीड़े पकड़ कर सुड़ुकता है।
ध्रुव जी देख लो यह चिरकुट तोता फिर हम पर व्यंग कर रहा है। फिर न कहना मास्टर दारु पी के दंगा करता है।
भीड़ू लोग पहले इस दलदल का पंगा निपटाओ, फिर दंगा करना।
तुम्हारी कहानी के मुताबिक रुलैया का मृत शरीर इस दलदल के नीचे दबा हुआ है...
...और रुलैया के शाप के अनुसार जब तक उसके आंसू दिलफेंक के दिल तक नहीं पहुंचेंगे वो निरंतर रोती रहेगी।
लेकिन दिलफेंक को तो हम्मा-हम्मा ने मार दिया था न? फिर उसके दिल तक भला रुलैया के आंसू कैसे पहुंचेंगे?
बलमा, दिलफेंक को हम्मा-हम्मा ने कैसे मारा था?
हम्मा-हम्मा ने अपने जहाज बांधने वाले जादुई लंगर से बांध कर दिलफेंक भीड़ू का इसिच समुन्द्र की अंधेरी गहराइयों में डुबो दिएला था।
मैं और मास्टर दलदल में रुलैया का शरीर ढूंढते हैं।
नागराज, तुम्हें और कम्पयूटर को समुन्द्र से दिलफेंक का मृत शरीर ढूंढ कर लाना होगा।
लेकिन ध्रुवजी! हम दोनों ही उड़ नहीं सकते, फिर हम लोग दलदल से बाहर कैसे आएंगे?
स्टार रोप की सहायता से, जिसका एक सिरा मैं हमारे जहाज में फंसा रहा हूं, दूसरा मुझसे और तुमसे जुड़ा रहेगा।

बाप अपुन इधरीच रह कर तुम भीडू लोग की आत्मा की शांति...मतलब जीत की प्रार्थना करेगा।
समय कम है दोस्तों, हमें शीघ्र ही दोनों शरीर ढूंढ़ने होंगे। ऑल दी बेस्ट!!
ऑल दी बेस्ट ध्रुवजी।
ध्यान से सुनो मास्टर्र कि हमें नीचे जा कर क्या करना है, क्योंकि दलदल के नीचे हम आपस में बात नहीं कर पाएंगे।
ध्रुवजी का बताया प्लान मैंने पूरी तरह दिमाग में बिठा लिया है।
वैसे मुझे लगता है कि ध्रुवजी जरूर हम टोड्स के दूर के रिश्तेदार होंगे...
दलदल के नीचे आते ही दलदल ने हम पर हमले करना बंद कर दिया, अब हमारे शरीर खुद ब-खुद ही नीचे खिंचते चले जा रहे हैं।
यह हमारी तरह पानी में भी सांस ले सकते हैं, हैंडसम भी टोड्स की तरह ही हैं और इंटेलिजेंट भी। हीहीही!
जैसे-जैसे हम नीचे बढ़ रहे हैं कीचड़ी दलदल साफ हो रही है, यानि...
...दलदल रूपी टापू का हिस्सा पार कर हम समुंदरी तल की ओर पहुंच रहे हैं।
ओह! नीचे से खारे पानी की तीव्र फुहार हमसे टकरा रही है, यानी रुलैया का शरीर अधिक दूर नहीं है।
यह पानी सिर्फ खारा ही नहीं बल्कि एसिडिक भी है जोकि तीव्र जलन पैदा कर रहा है और...
इसका फोर्स हमें नीचे बढ़ने से रोक रहा है।
मुझे इस फुहार को रोकना होगा...
...ताकि ध्रुवजी नीचे रुलैया के शरीर तक पहुंच सकें।
और उसके लिए मुझे अपने जम्बो साइज में आना होगा।
बस ध्रुवजी काम जल्दी से निपटा लें वर्ना कहीं मैं गल कर दुबला-पतला न हो जाऊं। बूहूहू!
मास्टर्र ने सही समय पर बैकअप दे दिया।
मुझे यकीन था कि ये तीव्र फुहार साधारण समुंदरी पानी की नहीं बल्कि रुलैया की आंखों से निकलते आंसुओं की है।
मुझे जल्दी ही इसके एसिडिक आंसुओं को रोकने की कोई तरकीब लगानी होगी।
वर्ना इसे ऊपर ले जाना तो दूर इसके एसिडिक आंसुओं से मेरा और मास्टर्र का बचना मुश्किल हो जाएगा।

मेरे कंप्यूटर का मेटल डिटेक्टर एप्लीकेशन यहां समुंदरी तल में भारी मात्रा में मेटल डिटेक्ट कर रहा है नागराज जी।
बाप! तुम लोग दिलफेंक के बदले लोखंड काई कूँ खोज रेला है?
क्योंकि इस अनंत समुन्द्र में दिलफेंक को ढूंढने से ज्यादा आसान वो लंगर ढूंढना है जिसमें दिलफेंक बंधा हुआ है।
बाप! ध्रुव भीडू से अलग होते ही तेरी खोपड़ी के तार में आइडिए की करेंट दौड़ने लगती है।
क्योंकि ध्रुवजी के रहते वो किसी और को दिमाग खर्चने का मौका ही नहीं देते लल्लू।
कम ऑन कम्पयूटर्र, इसके साथ समय खराब करने का समय नहीं है हमारे पास।
मैंने कम्पयूटर्र के कम्प्यूटर पर इंस्ट्रक्शन टाइप कर दी हैं जिससे पानी के भीतर हम दोनों को प्लान के मुताबिक चलने में दिक्कत न हो।
सबसे पहले हमें कम्पयूटर्र के मेटल डिटेक्टर सिग्नल्स को समुन्द्र के भीतर फॉलो करना होगा।
मेरे शरीर में मौजूद सभी सर्पों ने पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन संचित कर ली है।
जिसकी सहायता से मैं समुन्द्र के भीतर भी काफी देर तक सांस ले सकता हूं।
शहजादा दिलफेंक!!
ये जंजीरें तो लम्बी होकर हमारी ओर बढ़ रही हैं।
इन जंजीरों में काले जादू की शक्ति है, ये हमें इतनी आसानी से दिलफेंक तक पहुंचने नहीं देंगी।
वाऊ! क्या पावर है नागराज जी की, जंजीरों को किटकैट चॉकलेट की तरह तोड़ दिया।
काला जादू तोड़ना है तो पहले जंजीरें तोड़नी होंगी।
क्योंकि इस बटन के दबते ही मेरे शरीर में एड्रेनैलिन रश चार गुना बढ़ जाएगा। हीहीही। यह गई जंजीर।
अबे! अबे पर ये क्या, एक चमक के साथ टूटी हुई जंजीरें फिर जुड़ गईं और हमें दोबारा से जकड़ लिया!!

पांचवे टापू की मुसीबत का 'प्रेशर' मास्टर पर हावी हो रहा था।
अपने शरीर को फुलाए रखने के लिए मुझे अपनी शारीरिक शक्ति का काफी बड़ा हिस्सा इस्तेमाल करना पड़ता है।
अगर ध्रुवजी ने जल्दी ही कुछ नहीं किया तो इस तेजाबी पानी का प्रेशर मेरे हवा भरे गुब्बारे जैसे शरीर को कभी भी फुग्गे की तरह फोड़ देगा।
आ गए ध्रुवजी, पर यह हाथ में पोंछा लगाने वाला तौलिया जैसा क्या लाए हैं
इसके रुलैया की आंखों पर लगते ही उसकी आंसुओं की बौछार रुक रही है। यानी...
बाप! फटा दलदल निकले भीडू! आंसुओं के समुन्दर में नहा के तो तुम भीडू और भी नमकीन हो गेले हो। हीहीही।
पन भीडू उससे पहले अपुन को ये जरूर बता देना कि तुमने इस बिना टोंटी वाले नल को बंद कैसे किया?
हां! ध्रुवजी यह तो मुझे भी जानना है।
समुंदरी स्पंज की मदद से, समुन्द्र में कई अलग-अलग स्पंज जीवों की प्रजातियां पाई जाती हैं।
वैसे तो स्पंज समुन्द्र पानी को प्राकृतिक रूप से फिल्टर करते है पर...
...स्पंज की कुछ प्रजातियां ऐसी भी हैं जो भारी मात्र में पानी सोखकर उसे अपने भीतर ही रख सकती हैं। ऐसा ही स्पंज मुझे समुन्द्र तल में दिख गया और मैंने उसे रुलैया की आंखों पर बांध दिया जिससे कि स्पंज ने रुलैया की आंखों से निकलती आंसुओं की तेज धारा को सोख लिया।
पर ये तरकीब ज्यादा देर तक काम नहीं करेगी, अगर नागराज और कम्पयूटर जल्दी ही दिलफेंक के साथ वापस नहीं आए तो इसके आंसू स्पंज को फाड़ कर फिर बहने लगेंगे।
हे टोडदेव, नागराज जी और कम्पयूटर को शक्ति दे...
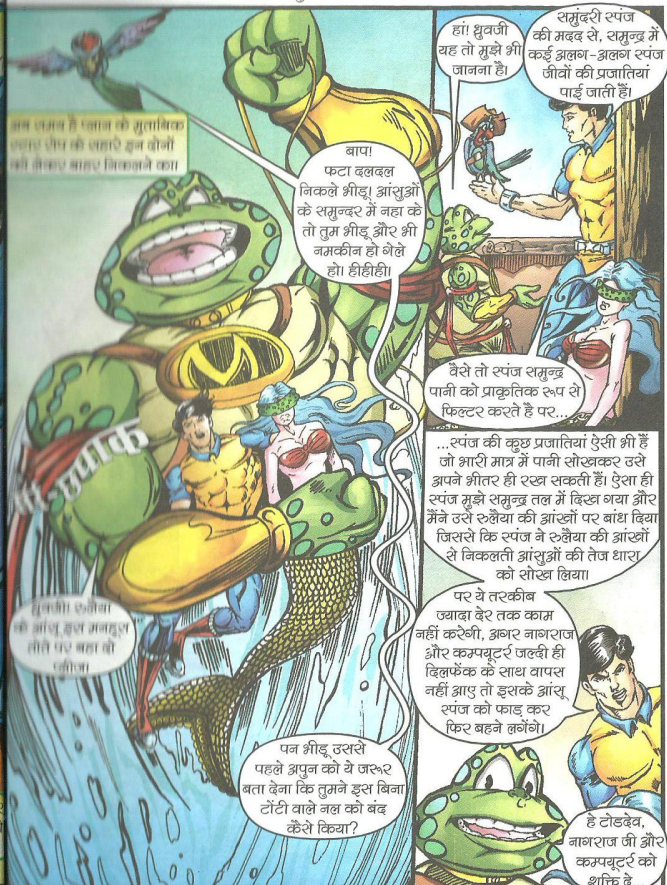
"...कि वो हर मुश्किल का मुंह तोड़ कर जल्दी वापस आएं।"
एक मिनट! हर बार जंजीर जुड़ने से पहले समुन्द्र तल में धंसा ये लंगर चमकता है और इसकी ऊजा निकल कर जंजीर को दोबारा जोड़ देती है...
यानी काला जादू जंजीर में नहीं उस लंगर में है। मुझे जंजीर तोड़ कर...
ये जादुई जंजीरें हमें दिलफेंक तक पहुंचने ही नहीं दे रहीं...
...हम इन्हें बार-बार तोड़ रहे हैं और ये बार-बार जुड़ कर हमें जकड़ रही हैं। इस तरह तो हम दिलफेंक को वापस लेकर लौट ही नहीं पाएंगे।
...इस लंगर तक पहुंचना होगा, लंगर से काले जादू की ऊर्जा फिर से निकलकर जंजीर को जोड़ रही है। इससे पहले कि ये जंजीर दोबारा मुझे जकड़े...
जंजीर को इस लंगर से ही अलग करना होगा। अगर मेरा अनुमान सही है तो ऐसा करते ही ये जंजीरें निष्क्रीय को जाएंगी...
हुर्रे!! नागराज जी और कम्पयूटर दिलफेंक का शरीर ढूंढ लाए।
पण भीड़ू अपुन को अभी भी समझ नहीं आया कि तू रुलैया के टेसुओं को परमानेंट फुलस्टॉप कैसे करेगा।
सिंपल है, रुलैया का श्राप पूरा करके, इस स्पंज को खोलते ही...
"रुलैया के आंसू फिर से बह निकलेंगे और पहुचेंगे शहजादा दिल-फेंक के दिल तक..."
"और ऐसा होते ही हम्मा-हम्मा का काला जादू टूट जाएगा।"
"दिलफेंक और रुलैया जिंदा हो गए।"
दिलफेंक मेरे सरताज!!
रुलैला मेरी जान!!

दुष्ट हम्मा-हम्मा के काले जादू की वजह से मैं आपका शरीर नहीं ढूंढ पा रही थी मेरे सरताज।
हम्मा-हम्मा जानता था कि मुझे यह वरदान मिला हुआ है कि प्यार के सच्चे आंसू मुझे एक बार जीवनदान दे सकते हैं...
...इसीलिए उसने ऐसी चाल चली कि तुम मुझे जिंदा न कर सको। पर इन भले पृथ्वीवासियों ने हमें जीवनदान दे दिया।
भले के साथ इंटेलिजेंट भी बोल भीड़, क्या खोपड़ी चलाएली है।
कम से कम रोमांस के बीच तो चोंच मत मार मनहूस तोते।
शुक्रिया पृथ्वीवासियों, दो प्यार करने वालों को मिला कर आपने जो पुन्य किय है वो खाली नहीं जाएगा।
दिलफेंक और रुलैया गायब हो ग और उनके साथ ह पांचवा टापू भी।
अपने अड्डे पर बेलमुंडा एक्शन शुरू कर चुका था।
नाकाम सिपाहियों को कैप्टेन बेलमुंडा सिर्फ एक सजा देता है, सजा-ए-मौत!!
हम्मा-हम्मा का यह त्रिशूल तुम्हारी काले जादू से बंधी आत्माओं को तुम्हारे मुर्दा जिस्मों से मुक्ति दिला देगा।
यार ये बेलमुंडा तो बड़ा खतरू विलेन है, अपने ही बंदे को जला डाला।
इससे लड़ते वक्त इस बात का ध्यान रखना कि हम इसके त्रिशूल से बचे रहें।
अब चल इस बेलमुंडा के अड्डे की छान-बीन करते हैं।
हां! पर जरा सावधान रहियो।
मेरी सारी सावधानी तो उस बदबू से बचने में लग रही है जो तू छोड़ रहा है।
अबे ये बदबू मैंने नहीं छोड़ी ये इस कमरे से आ रही है।
हे टोड देव! ये कमरा तो खोपड़ियों से भरा हुआ है।
यहां और भी कमरे हैं, जाने क्या-क्या भर रखा है गलमरों* ने इनमें।
*टोड्स का अपशब्द।
अबे! नहीं बे...गलमर नहीं यहां तो ग्लैमर है... इसमें तो खूबसूरत स्त्री जी कैद हैं।
हेहेहे...मैं तो डर रहा था कि यह वाला इश्यु सूखे-सूखे ही जाएगा।
तुस्सी चिंता ना करो स्त्री जी, शूटर के घूंसा बाण के आगे इस ताले की औकात तेंदुलकर के सामने यॉर्कर वाली ही है।
और कटर की तलवार के सामने इन जंजीरों की औकात हिन्दुस्तान के सामने...पड़ोसी वाली ही है। हीहीही।
कड़ाक

राज कॉमिक्स
कौन हो तुम दो नमूने?
दोस्तों का दोस्त, दुश्मनों का दुश्मन, हसीनों का रखवाला, हिम्मतवाला, प्यारा-प्यारा, भोला-भाला लेकिन गजब का जांबाज और बहादुर कटर्र आपकी खिदमत में हाजिर है।
मैं प्रिंसेस टाइड हूं, मुझे बेलमुंडा ने यहां जबरदस्ती कैद कर रखा है।
चोट्टे ने मेरी लाइन मार ली।
अरे! यह तो वही प्रिंसेस जी हैं जिनकी कहानी मम्मी हमें सुनाती हैं।
तुम लोग कारागार के भीतर आये कैसे? 'उसने' तुम्हें रोका नहीं ?
उसने किसने प्रिंसेस जी?
वही जो तुम्हारे पीछे खड़ा है।
इयाऽऽईईऽऽ
अबे ये क्या है बे!
घर्रर्रर गुर्र
ये पप्पी है, इसे बेलमुंडा ने मेरी निगरानी के लिए रखा है. इसके रहते कोई भी मुझे इस कारागार से नहीं छुड़ा सकता।
किस अंधे ने इसका नाम पप्पी रखा है? बुहूहूहू।
अबे! यह पापी पप्पी तो गुर्रा रहा है, फटा-फट टोड्स एक्शन सुना यार वरना कहीं हम बिना लड़े ही शहीद ना हो जाएं।
44
बेलमुंडा का खजाना
जब तक हम कम्प्यूटर के मुंह से टोड्स एक्शन नहीं सुन लेते, हममें लड़ने का जोश ही नहीं आता।
...तो भी हम टोड्स एक्शन सुन कर जोश में आ सकें।
टोड्स एक्शन!
इसी समस्या से बचने के लिए कम्प्यूटर ने हम चारों के मोबाइल्स में 'टोड्स एक्शन' रिकॉर्ड कर दिया है,ताकि अगर हमें उसके बिना भी फाईट करनी पड़े...
हीहीही! ये हुई ना बात! तुस्सी फिक्र ना करो प्रिंसेस टाइड जी.. कुत्तों को चुन-चुन कर मारेगा कटर्र।
अबे यहां एक ही कुत्ता है, चुनने के लिए...मेरा मतलब मारने के लिए,उसी पर कंसन्ट्रेट कर।
अबे शूटर्र के बच्चे कितनी देर और लगेगी?
दिन भर हम सबसे बिना मतलब के लड़ते रहता है इस पिल्ले से दो मिनट नहीं लड़ सकता, बस हो ही गया समझ।
गुर्र वुफ्फ स्सांय
...ले हो गया मेरा बाणों का बना पिंजरा तैयार। अब पप्पी को इस पिंजरे के भीतर आने का इनविटेशन देना है... आजा प्यारे पप्पी! मेरी पुक्की पकड़ने आ जा।
गुर्र..(भभोड़ने वाली भौंक) वुफ्फ!!
अब जैसे ही यह हम पर लपकेगा मैं एक टोडिया छलांग लगा कर पिंजरे के सामने से हट जाऊंगा।
गुर्र वुफ्फ वुफ
45

इसके पिंजरे में घुसते ही मैंने बाणों से पिंजरे का दरवाजा बंद कर दिया, अब यह बाहर नहीं आ सकता।
पप्पी को पप्पू बना दिया हमने। हीहीही।
पप्पी को पकड़ कर यह मत समझना कि...
...तुम पप्पू पास हो गए, तुम्हारे कुत्ते फेल होने का समय शुरू होता है अब।
बेलमुंडा अपने पाइरेट्स के साथ आ गया।
हम बिन बुलाए बाराती हैं बेलमुंडे, जहां जाते हैं बैंड बजा कर आते हैं।
और हम बारातियों का स्वागत सिर्फ 'खून-खराबे' से करते हैं।
मेहमानों की खातिर में कोई 'कमी ना' छोड़ना साथियों।
हम दोनों भी कोई 'कमी ना' छोड़ेंगे। हीहीही।
सही कहा शूटर, इनमें से एक भी कमीने को नहीं छोड़ेंगे। हीहीही।
गजब के लड़ाके हैं ये मेंढक तो।
पिट्टी ऑल नाईट, पिट्टी ऑल नाईट, पिट्टी ऑल नाईट, पिटाई यूं ही चल्लेगी। हीहीही। टर्रर्र।
बेलमुंडा पाइरेट बुला लेगा, बेलमुंडा पाइरेट बुला लेगा, बेलमुंडा पाइरेट बुला लेगा, फिर भी पिटाई यूं ही चल्लेगी। हीहीही। टर्रर्र।

धनंजय और कैटरपिल्लर की शक्तियां एक दूसरे को तौल रही थीं।
कोशिश करना बेकार है कैटरपिल्लर। तेरी शक्तियों को हम पहले भी मात दे चुके हैं।
शायद तू भूल गया है कि हम देव योद्धाओं ने ही तुम्हारे धूर्त रहनुमा हम्मा-हम्मा का अंत किया था, तेरा हाल भी वैसा ही होगा।
बस कुछ देर की बात और है फिर पृथ्वी और हम्मा-हम्मा आयाम एक होंगे और दोनों पर राज करेगा कैटरपिल्लर।
हाहाहा। तब की बात और थी देव योद्धा, अब मेरे पास काले जादू की शक्तियां हैं।
जिन्हें मैंने सदियों की तपस्या से विकसित कर लिया है। अब तुम देव योद्धा मेरे सामने नहीं टिक सकते।
मेरे जिगर के टुकड़ों को मुसीबत में डाला है तुम लोगों ने, खून पी जाऊंगी मैं तुम्हारा।
वई-वई, हम किसी का टिफिन नहीं चुराया मम्मी।
अइयो। मम्मी माफ कर दो!
मैं चुपके से खिसक लेटा।
समुन्द्र के भीतर चारों जांबाज गोतेबाज डूबेनियम को ढूंढ कर सतह पर आ रहे थे।
हमने एक बार फिर दुनिया को तबाह होने से बचा लिया यारों।
हम डूडल्स महान हैं।
सही बोला, टूम चारों से महान 'गधा' इस वर्ल्ड में कोई नहीं होना मांगटा।
सब लोग ये डबलू. डब्लू.ई. का रॉयल रंबल छोड़ कर इदर ध्यान डेना मांगटा। अगर टूम गोल्डन वॉरियर्स सरेंडर नहीं करेगा तो हम डूबेनियम पानी में डूबा डेगा।
शाबाश फ्लश!
अब हम क्या करें धनंजय।
जबतक इनके पास ये डूबेनियम है हम कुछ नहीं कर सकते। दुआ करो कि हमारे हीरोज बेलमुंडा के खजाने तक जल्दी पहुंचे।
पृथ्वी पर घटनाक्रम तेजी से बदल रहा था, और हम्मा-हम्मा आयाम में समय तेजी से बीत रहा था।
भीडू लोग, ये है मछली आंख टापू।
उड़ना आजकल फैशन में है भीडू।
हद है यार, मछलियां भी तैरना छोड़कर उड़ने लगीं।
बकवास बंद करो बलमा और इस टापू को कैसे पार करें यह बताओ।
बाप! उससे पहले ये सुन कि ये उड़ती मछली लोग किसी भी भीडू की हड्डियां भी लॉली पॉप के माफिक चूस डालती हैं।
टर्रर्रर। यह कलमुंहा तोता सबसे पहले बताने वाली बात हमेशा आखिर में क्यों बताता है।
इन आदमखोर पिरान्हा मछलियों को खुद तक पहुंचने से रोकना होगा।
आज तो मेरी नाग सेना की पार्टी!!
सांय
हीहीही। मेरा नान-चाक आपके नागों के लिए पिरान्हा चटनी तैयार करेगा।
भतक
और मेरे रॉकेट बूस्टर्स इनका भुना पिरान्हा कबाब सर्व करेंगे। टर्रर!!

बाप! इधर मास्टर शेफ का कॉम्पटीशन नहीं चल रेला है, भुर्ता, चटनी, चूरमा छोड़ और फाईट पर कंसंट्रेट कर भीड़ू लोग।
हमारा पता नहीं पर ये सैकड़ों मछलियां हमें खाने का कम्पीटिशन जरूर लगा रही हैं।
मुझे तो लगता है इन्हें खाते-खाते आपके नागों का पेट खराब हो जाएगा पर ये मछलियां नहीं खत्म होने वाली नागराज जी।
हिस्स-फुस्स! मास्टर सही कह रहा है नागराज, ये मछलियां टेस्ट में बहुत ही बुरी हैं। करेले जैसी।
और इन्हें खाकर पेट में सड़क किनारे वाले समोसे खाने के बाद वाला रिएक्शन शुरू हो गया है। हीहीही। बुहूहू। हिस्स-फुस्स।
इनकी संख्या बढ़ रही है। इस टापू की बाधा पार कैसे होगी बलमा?
अबे साले गटर के पानी में उतने बैक्टीरिया नहीं होते जितनी इस आसमान में मछलियां हैं।
इन सबकी आंख में बारी-बारी से उंगली करने चले तो हमारी ही (समझ गए ना क्या) हो जाएगी। टर्रर्र!!
इस टापू को पार करने के वास्ते मछली की आंख फोड़ना मांगता, पण इनमें से कौन सी मछली की आंख अनाथ करनी है ये अपुन नहीं जानता बाप।
जिस मछली की आंख से ये टापू पार होना है वो बाकियों से किसी न किसी मायने में जरूर भिन्न होगी।
पर इन असंख्य मछलियों में उसे ढूंढें कैसे?
ओह! मुझे लगता है हमें उस भिन्न मछली को इन असंख्य मछलियों के झुण्ड में ढूंढ़ने की जरुरत नहीं है।
हमने पहले ध्यान नहीं दिया कि ये टापू कांच की तरह चिकना क्यों है!
चिकनों का अनडिस्प्यूटेड चैंपियन तो तू है भीड़ू, पण अभी मछली की आंख नहीं मिली तो ये पिरान्हा अपुन को चिकनी चमेली बना देगी!
हम जिसे टापू समझ कर खड़े हैं दरअसल वो मछली की आंख ही है!
ध्रुव ठीक कह रहा है, यह टापू ही समुन्द्र में तैरती हुई विशालकाय मछली की आंख है!
ये पिरान्हा हमें इस आंख को फोड़ने नहीं देंगी!
हे गुरु भलाई मामा, अब आप ही कोई रास्ता सुझाइए!
गेस्ट अपीयरेंस में आया हूं वत्स। स्पेस कम है फटाफट सुनो, ध्यान केन्द्रित कर मेरी सिखाई चक्राटे विद्या का प्रयोग करो!
हेहेहे! थैंक यू भलाई मामा, अगली सीरीज में फुल स्केप रोल में आना!
चक्राटे का प्रयोग कर मैं गुरु भलाई मामा का दिया हुआ ये दिव्य नान-चाक हवा में छोड़ूंगा।
यह सुदर्शन चक्र की तरह हवा में घूमते हुए इस पिरान्हा झुण्ड को गाजर-मूली की तरह काटेगा!
दिव्य नान-चाक ने नागराज और कम्पयूटर के लिए रास्ता साफ कर दिया...
...ताकि वो उड़ते हुए इतनी ऊपर जा सकें जहां से निशाना लगाया जा सके।

यहां से मछली की आंख साफ नजर आ रही है, निशाना आसान है मेरा रॉकेट लांचर इसे आसानी से भेद देगा!
पिरान्हा झुंड हमें घेर रहा है, मैं इन्हें संभालता हूं तुम निशाना साधो कम्पयूटर्र!
आप चिंता ना करो नागराज जी, इस मछली टापू की आंख तो कम्पयूटर्र कह के लेगा। हीहीही। टर्रररर!
जेट सेट बूम!!
बूम!!
निशाना सच्चा था, कम्पयूटर्र का रॉकेट मछली टापू की आंख भेदता चला गया!
हीहीही। बटन में सुई-धागे की तरह पिरो दिया पट्ठे ने!
किन परिणाम उनकी उम्मीद से विपरीत निकला!
बाप ये तो बारात में बम से बिदकी घोड़ी के माफिक बिदक गयेली है! अब अपुन सबको गटक जाएगी ये कानिया!
बलमा के बच्चे, तूने तो कहा था कि मछली की आंख फोड़ने से ये टापू पार होगा, ये हाल्फ लालटेन तो हमें दुनिया पार कराने पर तुली है!
क्योंकि इसकी एक आंख अभी भी सही-सलामत है!
मास्टर्र का कंसंट्रेशन टूटने से चक्राटे करता दिव्य नान-चाक लोप हो गया और-
हम दोनों मुसीबत में आ गए!
लगता है हमें खुद ही इनसे निपटना होगा!
कानी कलूटी, समुन्द्र
टी, पानी से निकली
म-धम कूदी!
इसके पानी में जाने का
तजार करना होगा मास्टर्र!
यह हम पर निशाना लगाकर गोता मारेगी और इसके गोता लगाते ही हम इसके लिए घात लगाएंगे!
लेकिन ये मछली तो इस तोते की जबान से भी तेज चलती है ऐसे में हम इसकी आंख पर निशाना कैसे लगाएंगे?
छपाक
इस मछली जितनी फुर्ती से वार करेंगे हम इस पर, उसके लिए मुझे तुम्हें अपनी स्टार रोप से लपेटना होगा, अपना पोल वॉल्ट वार करने के लिए तैयार रखो!

मास्टर, तुम स्टार रोप में वैसे ही लिपटे हुए हो जैसे डोरी में लट्टू, जैसे ही मछली पानी से बाहर निकलेगी...
मैं लट्टू की डोरी खींच दूंगा।
ये आई बॉल और ये लगा मास्टर का सिक्सर!
अपुन तो तेरे दिमाग का लट्टू हो गया भीड़ू...
...फिर से क्या आइडिया भिडायेला है!
मछली रानी गायब हो गई यानी टापू पार!
पिरान्हा झुंड भी गायब हो गया, वो अलग बात है कि थोड़ी देर और लगती तो पिरान्हा मुझे भी गायब कर देती।
नागराज जी का क्या जाना था, इन्हें तो काट कर पिरान्हा वैसे ही गल रही थीं। हीहीही। बुहुहू!
हीहीही। मैं वापस लौट के लट्टू जरूर लूंगा यह तो बड़ी मजेदार चीज होती है! इससे भी टर्रर्र की आवाज निकलती है!
यारां दी टोली बढ़ रही थी
और आखरी टापू की ओर...
बेलमुंडा के अड्डे पर लड़ाई भी निर्णायक मोड़ की तरफ बढ़ रही थी!
छेद डालूंगा!!
काट डालूंगा!!
खच्च
बेलमुंडा की मुंडी के कन्ने कट गए। हीहीही!
कमाल कर दिया कटर!
क्लाइमेक्स से पहले ही कहानी के मेन विलेन का दी एंड!
ये तो भंगडे वाली सिचुएशन हो गई! हीहीही!
हिल-हिल के नाचो-नाचो!
बेवकूफ मेंढकों, बेलमुंडा और उसकी सेना को कोई मार नहीं सकता!
टर्ररा सारी चीजें आटोमेटिक हिल गईं।

राज कॉमिक्स
यारां दी टोली पहुंच चुकी थी अपने अंतिम पड़ाव पर!
भीड़ू, येईच आखरी टापू है, इसके छोर को छोरी का पल्लू समझने का और चढ़ लेने का! जिधर छोर मिलेगा उधर ही मिलेगा माल, बोले तो खजाना!
यार इसका तो छोर ही नहीं नजर आ रहा!
चिरकुट तोते तू सीधे-सीधे कोई बात नहीं बोल सकता क्या? अगर खजाना ऊपर नहीं हुआ तो?
मनाओ कि ऐसा ना हो मास्टर, क्योंकि हमारे इस आयाम में लग्जरी स्टे की समय अवधि अब खत्म होने को है!
ध्रुव की बात ने सबके ऊपर कॉम्प्लान का काम किया...
56
बेलमुंडा का खजाना
...पूरे जोश-ओ-खरोश से यारां दी टोली पहाड़ की ऊंचाई नापने में जुट गई!
हीहीही... अगर सिचुएशन पतली नहीं होती तो यह रेस लगाने का परफेक्ट मौका था!
अभी भी यह रेस ही है कम्पयूटर्र, अपने आयाम को बचाने की रेस है यह!
अरे! यह ऊपर से आग का भभका कैसा उठ रहा है!
यह इस टापू की मुसीबत है भीड़ू!
आग का बना हुआ अग्नि सर्प!
जिगर मा बड़ी आग है!
इसने तो स्टार रोप जला डाली!
57

बाप! अपुन की दुम का तापमान बढ़ रेला है। टांए-टांए!!
मेरा हाथ थामो ध्रुव...ओह! ये क्या!!
नागराज जी के पैरों तले पत्थर का सांप निकल रहा है! पत्थर का बना, मुंह से पत्थर छोड़ने वाला सांप!
इनका मुकाबला किए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता!
एक अप्रत्याशित वार मास्टर से टकराया और उसके कदम चट्टान से उखाड़ता चला गया!
टर्रररर! ये किसने फाउल-प्ले किया!
कम्पयूटर! मेरे भाई, मेरे जाने के बाद मेरे कच्छे आपस में बांट लेना तुम लोग! सुन रहा है ना तू..जा रहा हूं मैं। बुहूहू! टर्रररर!!
तेरे कच्छों में तू ही अच्छा लगता है यारी!
हीहीही! बचा लिया तूने!
इस चट्टान सर्प के मुंह से निकलती चट्टानें तो मेरे वारों से बिखर रही हैं पर...
काले जादू से बने इसके शरीर पर मेरे वारों का कोई खास प्रभाव नहीं पड़ रहा!
यार! मुझे तो वार करने का मौका ही नहीं मिल रहा।
पण अपुन को तंदूरी तोता बनने का फुल मौका दिएला है ये फुकेला, बाप अपुन की दुम बचा पहले, अपुन को अपनी दुम बहुत प्यारी है!

ध्रुव के लिए अग्नि सर्प से बचना मुश्किल होता जा रहा था!
बाप! अपुन की दुम की कुछ तो रेस्पेक्ट करो, अपुन तुम लोगों का गाइड है!
तू टेंशन ना ले तोते, हम लातें मार-मार के तेरी आग बुझा देंगे!
पथरीली पहाड़ी पर और इतने नमी वाले स्थान पर कैक्टस नहीं उगते...
इस फायर ब्लोअर से निपटने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा...एक मिनट, ये कैक्टस?
...ये यहां है तो इसकी जरूर कोई वजह है और अगर मैं ठीक समझ रहा हूं तो...
ये कैक्टस इस फुक्कू से निपटने में मेरी मदद कर सकते हैं पर उसके लिए पहले मुझे नागराज की मदद लेनी होगी..वो भी जल्दी!
कड़..कड़
कड़..कड़
नागराज चट्टान सर्प की छोड़ी चट्टान को दो फाड़ कर मेरी ओर उछालो!
अरे! चट्टान के वार से ये पानी की फुहार कैसे निकली, ये तो अग्नि सर्प को बुझा कर खत्म कर रही है।
रेगिस्तान में पानी का स्रोत अक्सर कैक्टस के वो पेड़ होते हैं जोकि बरसात का पानी अपने भीतर काफी समय तक संचित रखते हैं।
यहां इस पथरीले पठार पर कैक्टस होने की सिर्फ एक ही वजह हो सकती थी, आग बुझाना।
काले जादू से बने अग्नि सर्प की लपटें इस काले जादू वाले कैक्टस के पानी से ही बुझेंगी ये मैं समझ गया था...
कम्पयूटर उस बवंडर सर्प से भिड़ने में लग गया जिसने मुझ पर वार किया था, पर तू फिक्र मत कर तोते मुझे सुसु करके भी तेरी आग बुझानी पड़ी तो मैं बुझाऊंगा।
...बस दिक्कत इनसे पानी निकालने की थी वो इस चट्टान ने आसान कर दी।
टोड का सूसू अपुन को भिगो रेला है, आग बुझ रेली है पर अपुन का दिल जल-जल के रो रेला है।

ये मेरा सूसू नहीं! ध्रुवजी का निकाला हुआ कैक्टस पानी है।
पर जल कर तेरी तो तशरीफ बेपर्दा हो गई। हीहीही।
अपुन भी थोड़ा बहुत जादू जानता है भीड़ू! अपुन दुम वापस उगा लेगा...
...पण उस बवंडर भीड़ू ने कम्पयूटर्र को गटक लिया तो उसे वापस कौन उगाएगा।
इस बवंडर में घूमते-घूमते मुझे चक्कर और उल्टियां आ रही हैं..उवैक... वेक!!
कम्पयूटर्र मेरे भाई, पोल वॉल्ट पकड़।
गुरुदेव, अपने इस चेले को महान वैज्ञानिक बनने का आशीर्वाद दो गुरुदेव!
हीहीही। अब आया न लाइन पर।
अब बाहर भी आ जा।
हम्फ! चक्कर के कारण मुझे चार-चार पोल-वॉल्ट दिख रहे हैं।
यह सोच कि यह पोल वॉल्ट नहीं न्यूटन और आईन्स्टाईन का पैर है।
नागराज मुश्किलों के पथरीले शिकंजे में जकड़ा हुआ था।
यह पथरीली जकड़ तो लगता है जान निकाल कर छोड़ेगी।
यह फिर तुम पर चट्टान उगलने वाला है नागराज और इसे ऐसा करने के लिए...
...कुछ पलों के लिए अपनी पकड़ ढीली करनी होगी, यही मौका है जब तुम्हें..
"इसकी कुंडली से आजाद होना होगा और इसे इसके ही चट्टानी वार का स्वाद चखाना होगा।"
"यह यकीनन अपने ही चट्टानी वार को नहीं झेल पाएगा और कुछ पलों के लिए चकरा जाएगा..."
"...तुम्हें इतनी ही देर में इसे लेकर आसमान में उड़ना है..."
"...और पहुंचना है उस बवंडर सर्प तक।"
"बवंडर सर्प के आस-पास का एयर सक्शन काफी हाई है, एक हल्का सा झटका चट्टान सर्प को सीधे बवंडर सर्प के मुंह में पहुंचा देगा।"
"पर ये एयर सक्शन तुम्हें भी बवंडर सर्प के भीतर खींचने की कोशिश करेगा..."
उससे पहले ही तुम्हें नागरस्सी मुझ तक पहुंचानी है ताकि मैं तुम्हें वापस खींच सकूं।
चट्टान सर्प का तो बवंडर सर्प ने चूरमा बना डाला।
बवंडर इतने शक्तिशाली होते हैं कि छोटे-मोटे पहाड़ों को आराम से तोड़ सकते हैं, इसी से मैंने अंदाजा लगा लिया कि ये बवंडर सर्प ही चट्टान सर्प को खत्म कर सकता है, अब हमें इस बवंडर सर्प से निपटने का रास्ता ढूंढना है।

हाहाहा! देखा मेंढकों! बेलमुंडा से टकराने का अंजाम। बहुत जल्द ही तुम्हारे बाकी साथी भी ऐसे ही मेरे कदमों में होंगे।
मेरे निकम्मे लुटेरों, पिट-पिटा के बहुत आराम फरमा चुके तुम।
मेंढकों द्वारा मारे गए मेरे सारे लुटेरों को इस त्रिशूल की शक्ति दोबारा जीवित कर देगी क्योंकि बेलमुंडा और उसके लुटेरे अमर हैं। हाहाहा।
जब अड्डे की तलाशी ली गई तब...
सरदार! गजब हो गया सरदार! लड़ाई का फायदा उठा कर प्रिंसेस टाइड भाग निकली।
"मछली की दौड़ समुंदरी काई तक होती है उसी तरह प्रिंसेस टाइड की दौड़ कहां तक है हम जानते हैं, निर्णायक युद्ध के लिए कूच करने की तैयारी करो।"
हम्फ। उन मेंढकों को फंसा छोड़कर भागने का मुझे दुःख है, पर मेरे पास कोई रास्ता नहीं था।
समुन्द्र की लहरें टाइड के आदेश पर ऐसे उफनती चली आईं जैसे मालिक के आदेश पर पालतू घोड़ा आता है।
समुन्द्र की लहरों, अपनी साम्राज्ञी का आदेश सुनो और उसका पालन करो।
स्वूश
स्वूश
अब अधिक समय नहीं है, मुझे जल्द से जल्द पहुंचना होगा।
समुंदरी लहरों के रथ पर सवार प्रिंसेस टाइड भी बढ़ रही थी उस गंतव्य की ओर जहां...
...यारां दी टोली मुसीबत से पीछा छुड़ाने में बिजी थी।
मेरी उड़न शक्ति और कम्पयूटर्र के बूस्टर्र रॉकेट्स मिलकर भी बवंडर सर्प के एयर सक्शन प्रेशर को मुश्किल से ही झेल पा रहे हैं।
ऊंचाई की ओर उड़ते रहो, इस बवंडर सर्प से निपटने का यही एकमात्र रास्ता है।
भीडू लोग! भाग कर इससे बचना मुश्किल है।
अरे बाप! ये बवंडर सर्प सिनेमा हॉल के टिकेट के माफिक फट काई कूं गेला है?
क्योंकि बवंडर की तीव्रता जमीन के करीब ही सबसे अधिक होती है...
जैसे-जैसे वो ऊंचाई की ओर बढ़ता है बवंडर कमजोर होता जाता है।
बस इस बवंडर सर्प पे भी मैंने यही फार्मूला अप्लाई किया और ये सही निकला।
इससे पीछा छुड़ाते हुए हम इस पठार की चोटी तक भी पहुंच गए।
ये हम्मा-हम्मा के थोबड़े वाली गुफा है भीडू इसिच में खजाना ठुसेला है बाप।
हमें बिना कोई पल गंवाए उस तक पहुंचना चाहिए।
आज देखने को मिलेगा कि खजाना दिखता कैसा है।
अरे भीडू! ये फटेला तो उड़ते हुए यहां तक आ गया।
सर्र्र्र
भले ही ये कमजोर हो गया है लेकिन अभी भी हमें अपने भीतर खींचने की शक्ति रखता है।
अरे गज्जब!! यह पानी की बनी हुई तलवार किसने चलाई जोकि बवंडर सर्प को बर्थ-डे केक की तरह काट कर इसका हैपी बर्थडे कर रही है।

अरे! यह स्त्रीजी कौन हैं, इनके इशारे पर पानी की तलवार नाच रही है!
मैं हूं पानी की रानी प्रिंसेस टाइड।
आप वही स्त्रीजी हैं न जिनकी कहानी मम्मी सुनाती हैं?
हां भीड़ू, येईच विलेन की बेटी है जिसके वास्ते अक्खी फिल्म में लोचा-लापाचा होता है।
हम्मा-हम्मा की बेटी प्रिंसेस टाइड! जिससे शादी करने के वास्ते बेलमुंडा और कैटरपिल्लर ने अपनी पुंगी बजवा ली। पण तुम तो बेलमुंडा के पिंजरे की बुलबुल थीं?
इनके जैसे दिखने वाले दो टोड मानवों ने मुझे आजाद कराया, पर बेचारे खुद ही बेलमुंडा के जाल में फंस गए।
काफी समय तक कारागार में कैद रहने से मेरी शक्तियां क्षीण हो गई हैं, इसलिए मैं उन्हें बचा ना सकी।
पर तुम लोग कौन हो?
फॉर्मल इंट्रोडक्शन के बाद-
बेलमुंडा का खजाना, आखिरकार मैं पहुंच ही गई इस तक।
पता नहीं मनुष्य इस चमकती पीली धातु के पीछे इतनी मार-काट क्यों करता है, अरे खा-पी के मस्त सोने का इस नकली सोने को क्यों रोने का। हीहीही।
अफसोस टोड्स! अगर मनुष्य तुम्हारी तरह सोचते तो आज दुनिया बहुत बेहतर होती और शायद हम सुपर हीरोज रिटायर होते।
खजाना तो हमें मिल गया बलमा, अब क्या?
अभी कहां मिला है भीड़ू लोग...
पहले खजाने की रखवाली करते इस थ्री इन वन से मिल लो।
इसे पार करके ही खजाना तुम्हारा होगा। ये इस खजाने का रक्षक नाग है।
मुझे डर है कि कहीं ये हमारे नाम के आगे फाइटर की जगह स्वर्गीय न लगा दे।
अबे! अगर हम मर भी गए तो हमारे नाम के आगे स्वर्गीय नहीं गटरीय लगेगा। टर्रररर।
सही कहा मेंढक, अब यह रक्षक नाग तुम सबको केंचुए की तरह मसल देगा।
अपनी पाइरेट सेना के साथ बेलमुंडा आ गेला भीड़ू लोग!!
इसका पानी का जहाज हवा में कैसे उड़ रहा है?
फैंटेसी और कॉमेडी में सब जायज है मुन्ना।
इसने कटर्र और शूटर्र को बंधक बनाया हुआ है।
तुम रक्षक नाग से निपटो नागराज...
...हम जरा बेलमुंडा को हैलो बोल लें।
अपने यारों को बंदी बनाया, साले तेरे बेलमुंडे की तो...
तू कटर्र के डाईलॉग बोलना बंद कर और अपना वाला बोल।
इसके त्रिशूल से बचना यारों।

तुम दोनों आजाद हो गए, तुम पर त्रिशूल के काले जादू का असर कैसे नहीं हुआ?
असर तो हुआ था बेलमुंडे लेकिन टोड्स एक्शन सुन कर हम पापा फेयरी एंथोनी गुन्जाल्विस बन जाते हैं और कब्र फाड़ कर भी बाहर आ सकते हैं। टर्रर।
शत्तक
धाड़
धड़ाक!
यानी जिसे मैं इन दोनों मेंढ़कों की बेवकूफी समझ रहा था वो तेरी चाल थी?
प्रिंसेस टाइड को आजाद कराके तुम दोनों ने तो कमाल ही कर दिया।
पकड़े जाने के लिए सॉरी ध्रुव जी पर हमने सीक्रेट मिशन पूरा किया।
हम इस आयाम में तेरे लिए सबसे बड़ा खतरा थे फिर भी...
...हमारे धुंध-भुलैया टापू पार करने के बाद तूने हमें मारने के लिए खुद आने की जगह अपने निकम्मे लुटेरों की सेना भेजी मतलब साफ था...
कि तू अपने अड्डे पर किसी ऐसी चीज की निगरानी कर रहा था जो तेरे लिए खजाने जितनी ही महत्वपूर्ण है।
"और वो थी प्रिंसेस टाइड।"
बड़ी बदबूदार विष फुंकार मार रहा था पर याद रख नागराज की बदबूदार विष फुंकार के सामने कोई माउथवॉश नहीं टिकता, तू क्या टिकेगा।
नहीं नागराज! रक्षक नाग को हानि मत पहुंचाना अन्यथा खजाना नष्ट हो जाएगा...इस रक्षक नाग में ही खजाने की जान है।
खजाने की जान? सीमेंट में जान सुना था, ये खजाने में कब से जान होने लगी?

अभी समझाने का वक्त नहीं है, उफ! मेरे सरताज तुम्हारी जुदाई में कितनी सदियां बिता चुकी है तुम्हारी टाइड, अब अगर तुम ना मिले तो करना पड़ेगा सुसाईड।
खजाने तक पहुंचते ही प्रिंसेस के होंठ चुम्बन के रूप में खजाने से उलझ गए।
नहीं!! आज नहीं था जुम्मा, क्यों लिया तूने चुम्मा। अब क्या होगा हम्मा-हम्मा!! बुहुहू!
अबे!अबे!! ये तो दो कटोरा खून वाला सीन हो गया, लगता है लिप-लॉक फैशन में है।
हमारे होठों पे मच्छर चिपके थे क्या जो खजाने से होंठ लगा लिए।
पैसा-पैसा करती है क्यों पैसे पे तू मरती है।
एक बात मुझे बतला दे तू उस रब से क्यों नहीं डरती है।
अगर एक दो ऐसे शेर और मारे तो यह नागराज भीड़ू सुसाईड कर लेगा येड़ी!! फालतू का स्पेस मत स्पॉइल कर, जो करने आई है वो कर फटाफट!!
ओह! रक्षक नाग रोशनी में बदल गया जोकि खजाने में समा रही है।
क्योंकि खजाना जिंदा हो रेला है भीड़ू।
और देखते ही देखते खजाना रूप बदल कर बन गया-
नागेश!
टाइड!

मैं नागज्योत्षी नागेश फूंकनूर हूं, समुन्द्र देव हम्मा-हम्मा हमारे प्रेम के विरुद्ध थे इसीलिए उन्होंने कुपित होकर मुझे शापित खजाने में बदल दिया और मेरी जान रक्षक नाग में कैद कर दी क्योंकि अगर वो मुझे जान से मारते तो नागश्राप लगने से उनका काला जादू नष्ट हो जाता।
इसीलिए प्रिंसेस टाइड मुझे इस पर घातक वार करने से रोक रही थी।
प्रिंसेस की पप्पी से खजाना आदमी बन गया है!
अबे! तब तो अच्छा हुआ कि हमारी नहीं ली वरना हम भी आदमी बन जाते। हीहीही।
मैंने अपनी शक्ति किरणों से प्रिंसेस टाइड को संरक्षित कर दिया था, यदि बेलमुंडा प्रिंसेस को स्पर्श करने की कोशिश भी करता तो वो जल कर खाक हो जाता। साथ ही मैंने ये भविष्यवाणी कर दी थी कि भविष्य में नागशक्ति, मानवशक्ति और जलचरशक्ति सम्मिलित होकर इस खजाने को ढूंढेंगी और मुझे आजाद कराएंगी। क्योंकि काले जादू की कुंजी यही थी कि तीनों महाशक्तियां सम्मिलित रूप से खजाना ढूंढें, फिर भी बिना टाइड के चुम्बन के मैं जादू से आजाद नहीं हो पाता।
धूर्त बेलमुंडा ने मेरे पिता का त्रिशूल चुरा लिया था, और उनकी काली शक्तियां, खजाना और मुझे पाना चाहता था।
इसने मेरे पिता के मायावी त्रिशूल से उन पर प्रहार किया परंतु मरने के बजाये उनका शरीर काली शक्तियों के रूप में विखंडित होकर सातों समुन्दरों पर फैल गया
क्योंकि मेरी जान पहले ही रक्षक नाग में स्थानांतरित हो चुकी थी तो बेलमुंडा ने अपनी और अपनी पाइरेट सेना की जान खजाने में स्थानांतरित कर दी...
...जोकि वापस बेलमुंडा और उसकी सेना में समा चुकी है। हम्मा-हम्मा का आयाम द्वार खुल रहा है।
हाहाहा। मुझे पता था कि मेरा बदला पूरा होगा।
धनंजय, शिल्पात्री!!
आधी लड़ाई जीती जा चुकी है नागराज...

...लेकिन आयाम द्वार खुलने से पृथ्वी के समुन्द्र का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है...
...यदि जल्दी ही इसे बंद ना किया गया तो खजाना जीत कर भी हम ये लड़ाई हार जाएंगे।
तुम सब हारोगे, इस दगाबाज बेलमुंडा की तरह जिसने सदियों पहले धोखे से मुझे हराया था।
इस मूर्ख कैटरपिल्लर ने आयाम द्वार खोल दिया है अब समुंदरी लुटेरे पृथ्वी पर अपना साम्राज्य बनाएंगे।
लाख कोशिशें कर लो पर तुम लोग मुझे खत्म नहीं कर पाओगे।
ये चारों मेंढक!! जरूर ये सारी गड़बड़ इनकी ही की हुई है।
हमको लगती हम रेसलिंग देखती।
अरे! हम लोग कहां आ गया हूं?
भविष्यवाणी के अनुसार तुम लोगों ने सातों टापुओं पर बिखरी हम्मा-हम्मा के काले जादू की शक्तियों को हराया है...
यानी अब वो शक्तियां तुम्हारी गुलाम हैं और बेलमुंडा को सिर्फ वही शक्तियां खत्म कर सकती हैं, उनका आह्वाहन करो नागराज।
नागराज, ध्रुव और टोड्स ने मिलकर काले जादू की शक्तियों का आह्वाहन किया।
हम्मा-हम्मा की शक्तियों हम तुम्हारा आह्वाहन करते हैं।
गड़ गड़ गड़ गड़
ओह! आसमान फट रहा है।
आसमान फाड़ कर सातों टापुओं की लोप हुई जादुई शक्तियां प्रकट हो रही हैं और...

...बेलमुंडा व उसकी लुटेरी सेना को अपने साथ ले जा रही हैं।
मैंने कहा था न मित्रों तुम्हारे द्वारा की हुई भलाई व्यर्थ नहीं जाएगी, अब ये समुंदरी लुटेरे कभी किसी को परेशान नहीं करेंगे ना इस आयाम में और न पृथ्वी पर।
भभूका प्यार का भूखा!!
बेलमुंडा अपना बदला लेने और प्रिंसेस टाइड को अपना बनाने वापस आएगा पृथ्वीवासियों।
यार ये क्लाइमेक्स में फाईट कुछ कम नहीं थी?
साले पिछले दो इश्यु से नॉन-स्टॉप लड़े जा रहे हैं, चुम्मियों का मजा वो फुकनूर लूट रहा है, अब क्या चाहते हो, लड़-लड़ के कच्छे भी फड़वा लें!!
हमारा प्यारा भभूका भी आया है। हीहीही।
अरे!! बेलमुंडा भईया अपने प्यार की निशानी छोड़ गए। हीहीही।
और साथ ही यह भी छोड़ गया, हम्मा-हम्मा की काली शक्तियों वाला त्रिशूल जिससे तुम सबकी मौत लिखी है, पर उससे पहले मैं क्लाइमेक्स स्पीच दूंगा। हीहीही।
तुम साले विलेन लोगों की प्रॉब्लम क्या है, फटाफट काम क्यों नहीं निपटाते, एक तो यहां 128 पेज की कहानी 74 पेज में घुसी पड़ी है उस पर तुझे क्लाइमेक्स स्पीच चाहिए। टर्रर्रर्र
क्लाइमेक्स स्पीच हर विलेन का जन्मसिद्ध अधिकार है, स्पीच तो मैं देकर रहूंगा।
कोशिश भी मत करना वर्ना...
...इस पोपट की गर्दन गई।
इतने दूर की मत सोचना बापा। अबे भीड़ू, तू भूल गया क्या अपुन तुझको कितना एंटरटेन कियेला है...
तुझे कैसे पता चल गया कि मेरी जान इस पोपट में है।
इस आयाम में समय रुका हुआ था, लेकिन बलमा पोपट पृथ्वी पर आज के समय में बोली जाने वाली भाषा बोल रहा था। मतलब साफ था, कि यह किसी ना-किसी तरह से पृथ्वी से जुड़ा हुआ था।
फिर जब प्रिंसेस टाइड ने सारी दास्तां सुनाई तो उसमें से कहानी का एक ही किरदार नदारद था, कैप्टन कैटरपिल्लर।
मतलब साफ था, कैप्टन कैटरपिल्लर हम्मा-हम्मा आयाम में नहीं पृथ्वी पर था लेकिन उसकी जान यहां उसके पालतू तोते में बंद थी। जिस कारण से तुम और बलमा पोपट मानसिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।
आंगडू जब हम यहां आए थे तब पहाड़ की ऊंची चोटी पर खड़े थे, ये समुंद्र कहां से आ गया?
बुहुहू! मैंने डूबेनियम समुन्द्र में गिरते देखा था पर फाईट देखने के चक्कर में सबको आगाह करना भूल गया।
हम्मा-हम्मा और पृथ्वी के बीच का आयामद्वार कुछ ही क्षणों में बंद हो जाएगा ताकि ये उफनता हुआ समुंदरी सैलाब पृथ्वी पर प्रलय ना मचा दे...
...सभी लोग फौरन इसमें प्रवेश कर जाओ।
धनंजय की चेतावनी पर सभी आयाम द्वार में प्रवेश कर गए सिवाय कैटरपिल्लर के जिसे हम्मा-हम्मा के त्रिशूल में समाए काले जादू ने हम्मा-हम्मा आयाम से निकलने नहीं दिया।
अबे रुको, एक जबरदस्त पोटेंशियल वाले विलेन को यूं बर्बाद मत करो।
अब समुन्द्र के अंदर बैठ कर आराम से क्लाइमेक्स स्पीच देते रहना।
मैं वापस आऊंगाSSS... मैं वापस आऊंगाSS।

बहुत-बहुत धन्यवाद मित्रों, मैं और टाइड अब तुम्हारी दुनिया में एक नया जीवन आरम्भ करेंगे जिसमें बलमा हमारी मदद करेगा क्योंकि वो आज की पृथ्वी को हमसे बेहतर जानता है।
अपुन की मुंडी नहीं मरोड़ने के लिए तेरे चिकने गालों पर मीठी वाली पप्पी ध्रुव भीड़ू, तू तो आइटम लोग के साथ-साथ अपुन के दिल का भी हार्टथ्रोब हो गेला है।
डूडल्स और तीनो आतंकियों के दिमाग से हम्मा-हम्मा से जुड़ी सभी स्मृतियां मिटा दी गईं, आतंकियों के दिमाग से यह स्मृति भी मिटा दी गई कि वो आतंकी हैं।
आई एम मुत्तु स्वामी नारियल पानी वाला।
काबुल के खजूर लेलो! हग्गू खान काबुली वाला।
फ्लश ठीक करा लो, टोंटी नलका ठीक करने वाला फ्लश डिसूजा।
अबे हमें तो आतंकी पकड़ने थे। ये कौन हैं।
अब बारी थी टोड्स की।
हेहेहे, हमने आपको आवाज से ही पहचान लिया, प्रणाम स्वीकार करें टोड देव।
टोड देव मेमोरी उड़ाने के मूड में लग रहे हैं, उससे पहले वरदान देने होंगे टोड देव, वर्ना हम मच्छरों के थाल लेकर पीछे पड़ जाएंगे..हेहेहे।
ब्रह्मांड रक्षक की लाइफ टाइम मेम्बरशिप दिला दो टोड देव।
सर्वनायक सीरीज में एक पूरा चेप्टर टोड्स पर लिखवा दो टोड देव।
तथास्तु बोल दो धनंजय वर्ना ये पीछा नहीं छोड़ने वाले।
त..तथास्तु!!
और जब टोड्स की आंख खुली तो-
यार! मम्मी की कहानी सुनते-सुनते हम कब सो गए पता ही नहीं चला, मैं तो सपने में समुंदरी लुटेरों से लड़ने भी चला गया था।
सपना तो मैंने भी यही देखा था, टोड देव भी थे पर अब उनका चेहरा याद नहीं आ रहा।
अबे! मेरे सपने में तो नागराज जी और ध्रुव जी भी थे।
अबे! वो सब छोड़ो यारों। मैं तो सोच रहा हूं कि टोड देव ने जो वरदान दिए थे उनका क्या हुआ।

समाप्त!

बांके को मिल गया है शिव का त्रिशूल, डमरू, छाल और प्याला! मोटे का निकलेगा अब दिवाला! होगी अब हर पाप की शुद्धि! क्योंकि बांके के साथ जो है वो है पूरा...
बैल-बुद्धि
बांकेलाल का बुद्धि को घिसता एक खरखराता विशेषांक।